विश्व मामलों की भारतीय परिषद
सप्रू हाउस, बाराखंबा रोड
नई दिल्ली

18वीं और 19वीं पार्टी कांग्रेसों के बीच के चीन का आंकलन

पर

विशेष रिपोर्ट

*डॉ. संजीव कुमार**

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की राजनीति में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की राष्ट्रीय कांग्रेसें बेहद महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। नवंबर 2012 में आयोजित सीपीसी की 18वीं राष्ट्रीय कांग्रेस (इसके बाद से पार्टी कांग्रेस के तौर पर वर्णित) में शी जिनपिंग और ली केकियांग की पांचवीं पीढ़ी को नेतृत्व जाता दिखा। सीपीसी के महासचिव हू जिंताओ ने 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी अपनी रिपोर्ट में चीन की उपलब्धियों और देश के समक्ष चुनौतियों के बारे में बात की।

19वीं पार्टी कांग्रेस 18 - 22 अक्टूबर 2017 को बीजिंग में आयोजित होने वाली है। सीपीसी की 18वीं केंद्रीय समिति की सातवीं और अंतिम पूर्ण बैठक 14 अक्टूबर 2017 को संपन्न हुई थी। सातवीं पूर्ण बैठक के उद्देश्यों में मुख्य मुद्दों पर एजेंडा निर्धारित करना और सहमति बनाना शामिल थे। प्रमुख निर्णयों पर सहमति। सीपीसी के महासचिव शी जिनपिंग ने 19वीं पार्टी कांग्रेस के लिए मसौदा रिपोर्ट के व्याख्या की।

19वीं पार्टी कांग्रेस में भाग लेने के लिए 8.9 करोड़ से अधिक पार्टी सदस्यों में से कुल 2,287 प्रतिनिधि चुने गए हैं। ये प्रतिनिधि पार्टी कांग्रेस के दौरान नई नई सीपीसी केंद्रीय समिति और सीपीसी केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण समिति (सीसीडीआई) का चुनाव करेंगे।[1] पार्टी ने 19वीं पार्टी कांग्रेस से पहले विभिन्न क्षेत्रों में चीन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला है। इसने पिछले पांच वर्षों में चीन की उपलब्धियों और चुनौतियों पर विचार करने की पृष्ठभूमि निर्धारित की है, जो सीपीसी के अंदर काफी बहस का मुद्दा रहा है। यहां ध्यान देने योग्य बात है कि पार्टी ने सार्वजनिक मंच पर चीन के समक्ष महत्वपूर्ण मुद्दों पर

बहस कर व्यावहारिक नीति के सबक सीखे हैं। सुए चुंताओ (सीपीसी केंद्रीय समिति के पार्टी स्कूल में सीपीसी इतिहास के शिक्षण और शोध निदेशक और प्रोफेसर)

---

1 The delegates are elected from all over the country in accordance with the Party‟s constitution and CPC Central Committee requirements. According to an official statement, the delegates include not only Party leaders, but also CPC members from frontline production and manufacturing, minority ethnic groups, women, and those from various sectors including the economy, science and technology, national defense, politics and judicial sector, education, publicity, culture, health care, sports and social management.

के नेतृत्व में चीनी विशेषज्ञों के एक समूह ने 2014 के अंत में किये व्यापक अध्ययन (इसके बाद सीपीसी अध्ययन के तौर पर वर्णित) में टिप्पणी गई है कि "चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को कम से कम आठ मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है" और इन चुनौतियों से निपटने हेतु पार्टी द्वारा उठाए गए उपायों के बारे में बात की। ये चुनौतियां हैं: (a) स्वस्थ अर्थव्यवस्था के विकास को बनाए रखना; (c) लोकतंत्र का विकास करना; (c) चीन की सांस्कृतिक नर्म शक्ति में सुधार; (d) सामाजिक समरसता और स्थिरता बनाए रखना; (e) पारिस्थितिक प्रगति को बढ़ावा देना; (f) चीन के शांतिपूर्ण पुन: एकीकरण को बढ़ावा देना (g) चीन में शांतिपूर्ण और स्थिर वातावरण का निर्माण (पड़ोस में); और (h) भ्रष्टाचार को दंडित करना और इसकी रोकथाम।

यह उम्मीद की जाती है कि सीपीसी अध्ययन में उठाए गए आठ मुद्दों पर 19वीं पार्टी कांग्रेस को अपनी रिपोर्ट में शी जिनपिंग बात करेंगे। ध्यान दिया जाना चाहिए कि सीपीसी अध्ययन में चीन के सैन्य आधुनिकीकरण के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया। हालांकि शी जिनपिंग द्वारा आगामी पार्टी कांग्रेस को दी जाने वाली उनकी रिपोर्ट में सैन्य क्षेत्र में उपलब्धियों को उजागर किये जाने की उम्मीद है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य 18वीं पार्टी कांग्रेस (नवंबर 2012) के बाद से नेतृत्व की पांचवीं पीढ़ी की उपलब्धियों और इसके समक्ष चुनौतियों का विश्लेषण कर उपर्युक्त विषयों (सैन्य आधुनिकीकरण सहित) पर बहस का विस्तार करना है।

I

अर्थव्यवस्था - नए सामान्य का युग

सीपीसी अध्ययन में बताया गया है कि पार्टी के लिए पहली चुनौती होगी अर्थव्यवस्था का स्वस्थ, निरंतर विकास बनाए रखना। 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी गयी अपनी रिपोर्ट में हू जिंताओ ने चीन की आर्थिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला लेकिन यह भी टिप्पणी की कि "असंतुलित, असंबद्ध और गैर-सततशील विकास एक बड़ी समस्या रही है"। नवंबर 2013 में सीपीसी की 18वीं केंद्रीय समिति की तीसरी पूर्ण बैठक में "सुधार को व्यापक रूप से गहरा करने" के संबंध में कुछ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। सीपीसी की 18वीं केंद्रीय समिति की पाँचवीं पूर्ण बैठक और 13वें पंचवर्षीय कार्यक्रम (2016-2020) में इस बात को रेखांकित किया गया कि "नवाचार को समग्र राष्ट्रीय विकास के मूल में रखा जाना चाहिए"।[1]

रोजगार, आय और ग्रामीण चुनौती

तेज़ विकास दर (1978-2011) का दौर समाप्त हो गया है और पार्टी / सरकार ने स्वयं को 'नए सामान्य' के प्रति कटिबद्ध किया है।[2] राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग (NDRC) के औद्योगिक अर्थशास्त्र और तकनीकी अर्थशास्त्र संस्थान के प्रोफेसर फु बाओजोंग ने इस बात पर जोर दिया है कि चीन एक 'नए सामान्य' चरण में प्रवेश कर चुका है, जिसकी निम्न पांच विशेषताएं हैं: (क) धीमा विकास, (ख) औद्योगिक उत्पादों की प्रक्रिया में गिरावट, (ग) आपूर्ति और मांग का असंतुलन, (घ) कम लाभप्रदता और (ङ) सरकारी राजस्व में कमी।[2] इसे ऐसी प्रक्रिया के रूप में भी देखा जा सकता है, जिसमें अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक समस्याओं के परिणामस्वरूप तेज़ विकास दर बदलकर मध्यम दर बन जाती है। वर्तमान में अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तनों में से गुज़र रही है और 2014 में इसमें 7.3 प्रतिशत की अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि देखी गई, 2015 में 6.9 प्रतिशत और 2016 में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

---

2 The term „new normal“ first appeared during President Xi Jinping“s inspection tour to Henan province in May 2014.

हालिया हफ्तों में राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) और एनडीआरसी के अधिकारियों ने इस बात को रेखांकित किया है कि चीन में 2013 से 2016 तक लगातार चार वर्ष तक सालाना 1. 3 करोड़ से अधिक नए शहरी रोज़गार सृजित किए गए। 2017 के पहले आठ महीनों में सृजित नई नौकरियां .974 करोड़ थीं। इसके अलावा 2013-2016 की अवधि में शहरों में काम करने वाले ग्रामीण निवासियों की संख्या 1.8 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी।[3] सरकार ने शहरी रोजगार के वार्षिक आंकड़े दिए हैं। इसने ग्रामीण रोजगार के मामले में ऐसे आंकड़े नहीं दिए हैं। इसके अलावा शहरों में काम करने वाले ग्रामीण लोगों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई। कुछ अध्ययनों में सुझाव दिया गया है कि 2020 तक शहरी हुको आबादी को 10 करोड़ तक बढ़ाने का लक्ष्य पाना चुनौतीपूर्ण होगा।[4]

इसके अलावा चीनी अधिकारियों ने बताया कि 2016 में सभी निवासियों की प्रति व्यक्ति त्याज्य आय 23,821 युआन पर पहुंच गई, जोकि 2012 के बाद से 7.4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाती है। 2013-2016 में निर्धन क्षेत्रों में ग्रामीण निवासियों की प्रति व्यक्ति आय औसतन 10.7 प्रतिशत से बढ़ी, जो सभी ग्रामीण निवासियों के 8 प्रतिशत के आंकड़े से अधिक है। 2012 में ग्रामीण गरीबों की संख्या 98.99 करोड़ थी, जो 2016 में कम होकर 43.35 करोड़ हो गई. यह वाकई में उपलब्धि है[5] लेकिन चीन में असमानता की समस्या अभी भी गंभीर बनी हुई है। चीन में औसत शहरी आय औसत ग्रामीण आय की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

अगस्त 2017 में चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (CASS) के ग्रामीण विकास संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें ग्रामीण चीन में चुनौतियों और चालक कारकों का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट में लगातार विकास सुनिश्चित करने के लिए संसाधनों की बढ़ती तरलता, सामूहिक संपत्ति के अधिकारों में सुधार और समर्थन नीतियों में सुधार का आह्वान किया गया।[6] इसके अलावा यह कहा जा सकता है कि तीसरी पूर्ण बैठक के फैसले काफी हद तक लागू किए गए हैं, लेकिन किसानों को अधिक संपत्ति अधिकार देने के मुद्दे पर ज़्यादा प्रगति नहीं हुई है.

संरचनात्मक परिवर्तन

हू जिंताओ ने 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी अपनी रिपोर्ट में नवाचार-चालित विकास मॉडल की रणनीति और आर्थिक संरचना के समायोजन को लागू करने की बात कही। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं है कि विकास के चालक के रूप में संरचनात्मक परिवर्तन और नवाचार का मुद्दा पिछले पांच वर्षों में सुधार का केंद्र बिंदु रहा।

सरकारी स्वामित्व वाले उद्यम (SOE)

तीसरी पूर्ण बैठक में SOE के मामले में आधुनिक कॉर्पोरेट प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए सुधार को और मज़बूत करने की बात पर ज़ोर दिया गया। हालांकि यह बात उल्लेखनीय है कि SOE चीन में सबसे बड़ा हितधारक समूह है। इसलिए जहां तक SOE की बात है, चीन में संरचनात्मक परिवर्तन लाना बहुत मुश्किल काम है।

हाल ही में सरकारी स्वामित्व वाले परिसंपत्ति पर्यवेक्षण और प्रशासन आयोग के अध्यक्ष जिओ याक़िंग ने इस बात को स्वीकार किया कि "पांच वर्षों में SOE सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये गए .... हम यह भी जानते हैं कि SOE सुधार को अभी और आगे जाना होगा। हमें केंद्रीय सरकार की शर्तों को लागू करने के लिए बहुत काम करना पड़ेगा। नए ऊंचे शुरुआती बिंदु पर खड़े होकर हम सुधारों को लागू करने, उन्हें गहरा करने और समस्याओं के समाधान खोजने के लिए दोगुना मेहनत करेंगे."[7]

सेवा क्षेत्र

एनएसबी के आंकड़ों से पता चलता है कि सकल घरेलू उत्पाद में सेवा उत्पादन का हिस्सा 2012 के 45.3 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में 51.6 प्रतिशत हो गया। 2017 की पहली छमाही में सेवा उत्पादन सकल घरेलू उत्पाद का 54.1 प्रतिशत था। 2013-2016 के दौरान आर्थिक विकास में अंतिम उपभोग का औसत योगदान 55 प्रतिशत था।[8] धीरे-धीरे देश के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ी है। CASS की शोध रिपोर्ट में पुष्टि की गई है कि 2030 में चीन के कुल औद्योगिक उत्पादन में सेवा क्षेत्र का योगदान 72 प्रतिशत होगा। उससे वर्ष देश की 56 प्रतिशत नई नौकरियाँ सृजित होंगी।[9]

आपूर्ति-पक्ष सुधार

चीनी अधिकारियों ने बताया है कि आपूर्ति पक्ष में संरचनात्मक सुधार से उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं। 2016 में स्टील और कोयले की उत्पादन क्षमता क्रमशः 6. 5 करोड़ टन और 29 करोड़ टन से अधिक परिमाण से कम हो गई थी, जोकि वार्षिक लक्ष्य से अधिक रही। जनवरी से जुलाई 2017 तक स्टील में अधिक क्षमता को कम करने का लक्ष्य रखा गया था।[10] सरकार के आंकड़े बताते हैं कि चीन के आपूर्ति पक्ष में सुधार होने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

नवोन्मेष

यहां ध्यान देने योग्य है कि 18वीं पार्टी कांग्रेस की रिपोर्ट में नवाचार-चालित विकास की रणनीति पर प्रकाश डाला गया। 13वें पंचवर्षीय कार्यक्रम (2016- 2020) में नवाचार को आर्थिक विकास के प्रमुख

चालक के तौर पर रेखांकित किया गया है। इसमें नवाचार-चालित रणनीति को आधार बनाकर आर्थिक विकास में खपत का योगदान बढ़ाने और और निवेश और उद्यमों की दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित है। इसका उद्देश्य चीन में सततशील और पर्यावरण-अनुकूल विकास प्राप्त करना है।[11]

चीन ने नवाचार के क्षेत्र में अपने लक्ष्य तय किए हैं: 2020 तक अभिनव देशों की श्रेणी में पहुंचना; 2030 तक अभिनव देशों में सर्वोत्तम रैंकिंग पाना और 2050 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विश्व शक्ति बनना।

जीडीपी के संदर्भ में आर एंड डी खर्च की हिस्सेदारी 2012 के 1.91 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में 2.11 प्रतिशत हो गई।[12] आर एंड डी पर यह खर्च शायद पर्याप्त नहीं है क्योंकि विकास के चालक के रूप में नवोन्मेष पर वर्तमान नेतृत्व का काफी ध्यान केंद्रित है।

नवाचार चीन के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग का नया 'की वर्ड' बन गया है। जनवरी 2017 , चीन और स्विटज़रलैंड ने एक रणनीतिक अभिनव साझेदारी स्थापित करने पर सहमति जताई। मार्च 2017 में चीन और इजरायल ने एक अभिनव व्यापक साझेदारी की घोषणा की और जून में चीन और जर्मनी ने नवाचार पर सहयोग मज़बूत करने पर सहमति जताई।

चुनौतियों की बात करते हुए समग्र विकास संस्थान (CASTED) के महानिदेशक प्रो चेन बोमिंग का कहना है कि (क) चीन में नवाचार-चालित रणनीति के कार्यान्वयन के संदर्भ में क्षमता की कमी अभी भी एक समस्या बनी हुई है (ख) नवाचार-चालित विकास के तंत्र में अभी भी कुछ गहरे अंतर्विरोध और समस्याएं हैं (ग) रचनात्मक प्रतिभाओं के विकास की प्रणाली अपूर्ण है (घ) नवाचार-चालित विकास की नीति प्रणाली अभी तक नहीं बनी है और असंगतता की समस्या मौजूद है।[13]

यहां यह तर्क देना उचित होगा कि उत्पादकता को बढ़ावा देने में विकसित देशों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी महत्वपूर्ण हो सकता है। चीन अत्याधुनिक और कोर प्रौद्योगिकियों के मामले में पीछे है। हालिया दिनों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस पर जोर दिया है।

ग्रामीण-शहरी एकीकरण

18वीं पार्टी कांग्रेस को दी अपनी रिपोर्ट में हू जिंताओ ने शहरी और ग्रामीण विकास के एकीकरण का ज़िक्र किया था। पांचवीं पीढ़ी के नेतृत्व ने इसे कृषि, ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों की समस्याओं के समाधान के तौर पर रेखांकित किया। चीन ने मार्च 2014 में 'नए प्रकार की शहरीकरण योजना' की शुरुआत की। चीन के 13 पंचवर्षीय कार्यक्रम में चीन के नए शहरीकरण के पांच घटकों का उल्लेख किया गया है। ये घटक हैं (क) ग्रामीण घरों वाले लोगों को शहरों में घर देने की प्रक्रिया में तेज़ी लाना, (ख)

शहरीकरण के पैटर्न को आकार देना, (ग) सामंजस्यपूर्ण और रहने योग्य शहरों का निर्माण करना, (घ) आवास आपूर्ति प्रणाली में सुधार करना (ङ) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के समन्वित विकास को बढ़ावा देना। लेकिन प्रमाणों से संकेत मिलता है कि शहरीकरण योजना को लागू करना बहुत आसान नहीं होगा क्योंकि कई ग्रामीण लोग भूमि छोड़कर शहरों में स्थानांतरित नहीं होना चाहते हैं।[14] कुछ चीनी विशेषज्ञों ने तो इस प्रक्रिया को 'छद्म शहरीकरण' का नाम भी दिया है, क्योंकि हुकू प्रणाली में मिली छूट से लोग अपने बच्चों को स्कूलों/ कॉलेजों में दाखिला दिलाने में मदद नहीं की है ।[15] इसके अलावा कुछ अध्ययनों ने यह भी प्रमाणित किया है कि हुकु सुधारों से बड़े चीन शहरों में रहवासी प्रवासियों और उनके परिवारों के समक्ष समस्यायों से निपटने में कोई ख़ास मदद नहीं मिली है।[3]

आर्थिक सुधारों के पिछले अनुभवों पर विचरर करते हुए चीनी पत्रिकाओं, विशेषकर Qiushi (求是) और समाचार पत्रों विशेष रूप से पीपुल्स डेली ने, 2016 के बाद से चीन में नवाचार और समन्वयन पर आधारित हरित, मुक्त और समावेशी विकास के नए सिद्धांत/ फलसफे को रेखांकित किया है।

II

पार्टी का निर्माण और लोकतंत्र का विकास

सीपीसी केंद्रीय समिति के संगठन विभाग के अनुसार 2016 के अंत में कुल सीपीसी के कुल 8. 9447 करोड़ सदस्य थे। पार्टी में 2.2982 करोड़ महिला सदस्य थीं, जो कुल सदस्यता का 25.7 प्रतिशत बनता है, जबकि .63 करोड़ सदस्य जातीय अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित है यानी कुल सदस्यता का 7 प्रतिशत।[16] यह बात स्पष्ट है कि महिलाओं और जातीय अल्पसंख्यक समूहों को उनकी आबादी की तुलना में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

पार्टी का निर्माण

अक्टूबर 2016 में सीपीसी की 18वीं केंद्रीय समिति की छठी पूर्ण बैठक ने नये परिदृश्य में पार्टी के लिए दिशानिर्देश विकसित करने की आवश्यकता के पक्ष में तर्क दिया गया। इसमें 'पार्टी के निर्माण' की 'महान परियोजना' को आगे बढ़ाने और "चीनी विशेषताओं" वाले समाजवाद, जो "चार परीक्षणों" (四大考验) का मुकाबला कर सके और चार तरह के खतरों (四种危险) से निपट सके, के 'महान सरोकार' को बढ़ावा देने की बात की गई. ये चार परीक्षण इस प्रकार हैं (क) सत्तारूढ़ दल के रूप में सीपीसी का परीक्षण

---

3 For details, kindly see Zhao Litao, *China's Development: Social Investment and Challenges* (Singapore, World Scientific, 2017) p 138.

(ख) सुधारों और मुक्तीकरण की प्रक्रिया का परीक्षण (ग) बाजार अर्थव्यवस्था का परीक्षण और (घ) बाहरी वातावरण में परीक्षण।

ये "चार खतरे" हैं - खो गई जीवन शक्ति, अपर्याप्त क्षमता, लोगों से अलगाव और व्यापक भ्रष्टाचार। यहां उल्लेखनीय है कि सीपीसी के महासचिव हू जिंताओ ने 2011 में इन 'परीक्षणों' और 'खतरों' पर प्रकाश डाला था।

छठी पूर्ण बैठक में यह बात रेखांकित की गई कि भविष्य में चीन की नियति सभी जातीय लोगों के मूलभूत हितों से जुड़ी हुई है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि पार्टी को लोगों की सेवा के अपने मूल उद्देश्य की पूर्ति करनी चाहिए और लोगों के प्रति अपनी "मास लाइन" को लागू करना चाहिए। गौरतलब बात है कि इसमें लोगों की समस्याओं को हल करने हेतु हर संभव प्रयास करने पर जोर दिया गया। इसमें यह बात भी कही गई है कि पार्टी और लोगों के बीच के संबंध "मांस और खून" के संबंधों जैसे हैं।

सीपीसी की 18वीं केंद्रीय समिति की सातवीं और आखिरी पूर्ण बैठक 14 अक्टूबर 2017 को संपन्न हुई। इस पूर्ण बैठक में ने पार्टी निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया और "चार महान बातों" के बारे में चर्चा हुई। इनमें शामिल हैं: (क) कई नई ऐतिहासिक विशेषताओं वाले महान युद्ध में शामिल होना; (ख) पार्टी निर्माण की नई महान परियोजना की शुरुआत; (ग) चीनी विशेषताओं वाले समाजवाद के महान सरोकार को आगे बढ़ाना; और (घ) नई परिस्थितियों में चीनी राष्ट्र के पुनरुद्धार का महान सपना सच करना।"[17]

"चीन का सपना" से "चार विस्तृत बातें"

29 नवंबर 2012 को पार्टी के महासचिव के तौर पर अपनी नियुक्ति के दो सप्ताह बाद शी जिनपिंग ने बीजिंग के राष्ट्रीय संग्रहालय (सीपीसी की पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के अपने सहयोगियों संग) का दौरा किया और पहले 'चीनी सपने' के विचार पर बात की और इसे 'चीनी राष्ट्र के महान कायाकल्प' के तौर पर परिभाषित किया। 17 मार्च 2013 को शी जिनपिंग ने चीन के नए राष्ट्रपति के तौर पर दिए अपने पहले सार्वजनिक भाषण में चीन के सपने के बारे में अपने विचार विस्तार से बताए। उन्होंने कहा, “चीनी सपना सारे देश का सपना है, साथ साथ हर व्यक्ति का भी सपना है। आखिरकार, यह चीनी सपना लोगों का सपना है। हमें इस सपने को लोगों पर निर्भर कर इसे पूरा करना चाहिए, और लगातार लोगों को लाभ पहुंचाने चाहिये।"[18]

"चार विस्तृत बातों" की अवधारणा पहली बार शी जिनपिंग ने दिसंबर 2014 में जिआंगसु प्रांत की यात्रा के दौरान दी थी और इसके बाद चीनी सरकार द्वारा चालित मीडिया ने इसकी व्याख्या की। इसका संबंध मध्यम श्रेणी के समृद्ध समाज का निर्माण करना, सुधार को व्यापक रूप से गहन बनाना, व्यापक रूप से देश को कानून के अनुसार चलाना और पार्टी के शासन को व्यापक रूप से प्रयोग करना।[19] ये अवधारणाएं पूरी तरह से नई नहीं हैं। इनमें से प्रत्येक अवधारणा की बात पहले हो चुकी है। मध्यम श्रेणी के समृद्ध समाज का निर्माण करने पर 18वीं पार्टी कांग्रेस में जोर डाला गया था, जिसमें शी ने आधिकारिक तौर पर सत्ता संभाली थी; 'सुधार को व्यापक रूप से गहन बनाना' 2013 की तीसरी पूर्ण बैठक में हुए निर्णय का केंद्र बिंदु था; और 'देश पर कानून के अनुसार व्यापक रूप से शासन करना' 2014 की चौथी पूर्ण बैठक का विषय रहा।

(सीएएसएस से संबंधित) प्रो ज़ायोटॉन्ग कहते हैं कि 'चार विस्तृत बातें' पार्टी की दीर्घकालिक योजना का एक परिणाम है। 'चार विस्तृत बातें' चीन के सपने का स्पष्ट खाका प्रदान करती हैं, जिसमें कही गयी हर विस्तृत बात एक रणनीतिक मानचित्र है।[20]

चीन की सैन्य रणनीति पर मई 2015 में जारी श्वेत पत्र में चीन के सपने का स्पष्ट ज़िक्र मिला। इसने बताया किया कि चीन का राष्ट्रीय रणनीतिक लक्ष्य दो शताब्दी उद्देश्यों को पूरा करना है। "चीनी राष्ट्र का महान कायाकल्प करना चीन का सपना है। देश को मज़बूत बनाना चीन का सपना है। *चीन के सशस्त्र बल सेना को मज़बूत बनाने के अपने सपने को चीन के सपने के भाग के तौर पर लेते हैं।"*

लोकतंत्र और स्थानीय चुनाव

कई बार जब चीनी नेता चीन में लोकतंत्र को विकसित या मज़बूत करने की बात करते हैं तो उनका मतलब आंतरिक पार्टी लोकतंत्र से होता है, न कि पश्चिमी देशों या भारत में चल रहे लोकतंत्र से होता है। छठी पूर्ण बैठक यह बात दोहराई गयी कि "पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र पार्टी की जीवनरेखा है"। चीन ने आंतरिक पार्टी लोकतंत्र को महत्व दिया है।[4]

कुछ चीनी विशेषज्ञों ने चीन में ग्रामीण स्तर पर हुए स्थानीय चुनावों की सराहना की है और इसे माओ के बाद वाले चीन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक सुधारों की संज्ञा दी है।[5] तीसरी पूर्ण बैठक में सामुदायिक स्तर पर लोकतंत्र को मुक्त रूप से स्थान देने और "लोकतंत्र के लिए व्यापक चैनल खोलने" और समुदाय-स्तरीय चुनाव प्रणाली में सुधार करने का आह्वान किया गया।" लेकिन उपलब्ध प्रमाण से

पता चलता है कि यह प्रयोग बहुत सफल नहीं रहा है। सीपीसी के अध्ययन में कहा गया है कि ग्राम चुनावों में रिश्वतखोरी और अनुचित प्रचार के तौर पर कदाचार फिर से बढ़ रहा है। हैनान प्रांत के हाइको शहर में स्थित ज़ियुइंग जिले के कुछ गांवों में एक वोट खरीदने की कीमत 10-15 युआन के पिछले मानक स्तर से बढ़कर 1,200 युआन तक पहुंच गई ... भ्रष्टाचार को लोकतंत्र की जड़ों से बाहर रखना ज़रूरी है।[21]

साक्ष्य यह भी बताते हैं कि यहां असली मुद्दा पार्टी सदस्यों और ग्राम समिति के बीच का टकराव है।[22] इसलिए पार्टी ने ग्राम स्तर से ऊपर जाकर चुनावों का विस्तार करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

अंत में इस बात को ध्यान में रखना ज़रूरी है कि "चीन के अंदर की समस्या का बड़ा भाग जिस बात से पैदा होता है, वह है आर्थिक समृद्धि हासिल कर चुके लोगों की आध्यात्मिक, धार्मिक और राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की आकांक्षा और इच्छा। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए यह सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण होगा कि किस तरह से चीनी शासन पर से कम्युनिस्ट पार्टी की मज़बूत गिरफ्त को हटाए बिना यह आज़ादी दी जा सकती है।

---

4 The 16th Party Congress (2002) declared inner-party democracy as the "lifeblood of the Party". Hu Jintao"s report at the 17th Party Congress (2007) noted the need to "expand inner-party democracy to bring along people"s democracy". The 18th Party Congress (2012) again referred to the importance of inner-party democracy. The Sixth Plenum of 18th CPC Central Committee reiterated that "inner-Party democracy is the life of the party".

5 In 1988, the Organic law on Village Committees was implemented on trial basis. Election for Villagers Committee started with this law following a series of grassroots initiatives by the villagers. The management and development of village economy according to the wishes of local people is the prime task of the village government. The Organic Law defined the Villagers committee as basic level mass organization of self government through which villagers manage their own affairs, educate themselves and serve their own needs.

यदि वास्तव में चीन इस प्रयास में सफल होता है तो कम्युनिस्ट पार्टी राजनीतिक शासन के चीनी मॉडल को स्थापित करने में सफलता प्राप्त कर लेगी, जिसे अभी तक आधुनिक दुनिया में अन्यत्र दोहराया नहीं गया है।"[23]

इस बात की संभावना है कि 19वीं पार्टी कांग्रेस में पार्टी निर्माण के साथ-साथ पार्टी सदस्यों और जनता के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला जाएगा। राजनीतिक दृष्टिकोण से "चीनी विशेषताओं वाले समाजवाद" के सरोकार को बढ़ावा देना और चीनी राष्ट्र के महान कायाकल्प को पूरा करना अन्य मुख्य आकर्षण रहेंगे।

III

भ्रष्टाचार से जंग

18वीं पार्टी कांग्रेस को दी अपनी रिपोर्ट में हू जिंताओ ने कहा था कि "अगर हम इस मुद्दे (भ्रष्टाचार) को अच्छी तरह से संभालने में नाकाम रहे तो यह पार्टी के लिए घातक साबित हो सकता है, और यहां तक कि यह पार्टी और देश के पतन का कारण भी बन सकता है"। इससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है।

पांच साल पहले नए चीनी नेतृत्व ने भ्रष्टाचार-रोधी अभियान शुरू किया था। इसकी शुरुआत आठ सूत्रीय नियम जारी करने के साथ हुई थी, जो पार्टी की कार्यशैली में सुधार करने और भ्रष्टाचार की रोकथाम पर केंद्रित था।[6] यह नियम 4 दिसंबर, 2012 को सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो की बैठक में अंगीकार किया गया था। शी जिनपिंग ने 22 जनवरी 2013 को 18वें सीपीसी केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण के दूसरे पूर्ण सत्र में जोर देकर कहा था कि लोगों को भ्रष्टाचार-रोधी कदमों की पकड़ कभी भी ढीली नहीं करनी चाहिए- बाघों और मक्खियों (उच्च-स्तरीय और निचले अधिकारियों) को पकड़कर उन्हें दंडित करना आवश्यक है। पार्टी के दस्तावेजों में भ्रष्टाचार-रोधी अभियान पर लगातार प्रकाश डाला गया है। 18वीं सीपीसी केंद्रीय समिति की छठी पूर्ण बैठक भी भ्रष्टाचार-रोधी अभियान पर केंद्रित थी।

---

6 The eight point regulations are as follows: (i) Leaders must keep in close contact with the grassroots. They must understand the real situation facing society through in-depth inspections at grassroots. Greater attention should be focused on places where social problems are more acute, and inspection tours must be carried out more thoroughly 2. Meetings and major events should be strictly regulated, and efficiency improved. Political Bureau members are not allowed to attend ribbon-cutting or cornerstone-laying ceremonies, or celebrations and seminars, unless they get approval from the CPC Central Committee. 3. The issuing of official documents should be reduced. 4. Officials' visits abroad should only be arranged when needed in terms of foreign affairs with fewer accompanying members, and on most of the occasions, there is no need for a reception by overseas Chinese people, institutions and students at the airport. 5. There should be fewer traffic controls when leaders travel by cars to avoid unnecessary inconvenience to the public. 6. The media must not report on stories about official events unless there is real news value. 7. Leaders should not publish any works by themselves or issue

any congratulatory letters unless an arrangement with the central leadership has been made. 8. Leaders must practise thrift and strictly follow relevant regulations on accommodation and cars. Source: Eight-point regulation http://cpcchina.chinadaily.com.cn/2012-12/05/content_15992256.htm

इस पूर्ण बैठक में पार्टी से चार पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों - लिओनिंग प्रांत के पूर्व पार्टी प्रमुख वांग मिन, बीजिंग के पूर्व उप प्रमुख लिउक्सेन, और पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारी फैन चांगमी और निउ ज़हि ज़हाँग - के निष्कासन से जुड़े निर्णय का समर्थन किया गया।

उनके निष्कासन से जुड़े पूर्ववत निर्णय सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो ने लिए थे। हालिया हफ्तों में पार्टी ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि इसके भ्रष्टाचार-रोधी अभियान से "बाघों" और "मक्खियों" की संख्या में गिरावट आई है। इस अभियान में पकड़े गए बाघों में से एक थे झोउ योंगकांग, जो सीपीसी कमेटी के राजनीतिक ब्यूरो की स्थायी समिति के पूर्व सदस्य रहे थे; चोंगकिंग नगर पालिका के पूर्व पार्टी प्रमुख बो झिलाई,पूर्व जनरल और केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष सु कैहौ और गुओ बॉक्सिओंग; और चीन के शीर्ष राजनीतिक सलाहकार निकाय के पूर्व उपाध्यक्ष लिंग जिहुआ और सू रोंग।

केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग सीसीडीआई के अनुसार 2012 में हुई 18वीं पार्टी कांग्रेस के बाद से संदिग्ध भ्रष्टाचार के मामलों में काउंटी प्रधान स्तर के 70.0 अधिकारियों की जांच की गयी है।[24] इसके अलावा इस अवधि में 1.34 करोड़ टाउनशिप-स्तर के और 648.0 ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के सदस्य और अधिकारी भी दंडित किए गए।[25] इससे पता चलता है कि पार्टी ने व्यापक भ्रष्टाचार-रोधी चलाना कायम रखा है।

यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि CASS के भ्रष्टाचार-रोधी शोध केंद्र और सोशल साइंसेज़ एकेडमिक प्रेस ने संयुक्त रूप से चीन में भ्रष्टाचार से निपटने और सत्यनिष्ठा क़ायम रखने के मुद्दे पर कई रिपोर्टें जारी की हैं। ये रिपोर्ट CASS विद्वानों के समूह के क्षेत्र अनुसंधान, सर्वेक्षण और जनमत विश्लेषण पर आधारित हैं। पहली रिपोर्ट जनवरी 2012 में जारी की गई थी जबकि छठी रिपोर्ट दिसंबर 2016 में आयी थी। पहली रिपोर्ट 21वीं सदी में चीन में भ्रष्टाचार-रोध के मूल्यांकन, प्रक्रिया और प्रभाव पर केंद्रित थी।[26] 27 दिसंबर 2013 को जारी हुई तीसरी रिपोर्ट में चीनी नेतृत्व की पांचवीं पीढ़ी के भ्रष्टाचार-रोधी अभियान पर ध्यान केंद्रित रहा। इसमें बताया गया कि 78.7 प्रतिशत साक्षात्कारकर्ताओं ने अनुसार सरकार का भ्रष्टाचार-रोधी काम फायदेमंद रहा है।[27] चीनी मीडिया के कुछ हिस्सों में इस बात को रेखांकित किया गया। इस परियोजना के मुख्य संपादक ने सलाह दी कि "चार दुराचारों - बाहरी दिखावा, नौकरशाही, वंशानुगतता और फ़िज़ूलखर्ची - के उन्मूलन के लिए दीर्घकालिक तंत्र स्थापित करना अति आवश्यक है। छठी रिपोर्ट में भ्रष्टाचार-रोधी अभियान को मजबूत करने और सामाजिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने के प्रस्ताव दिए गए हैं।[28]

इसलिए यह कहा जा सकता है कि 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी गई रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर रहा गंभीर फोकस नेतृत्व की छठी पीढ़ी ने कार्यान्वित किया है। हालाँकि, ऐसी धारणा बनी रही है कि यह अभियान राजनीति से प्रेरित है और इसका उपयोग सीपीसी के अंदर कुछ गुटों / समूहों को बेअसर /

दंडित करने के लिए किया गया है। लेकिन फिर भी पार्टी का भ्रष्टाचार-रोधी अभियान पार्टी कांग्रेस में प्रमुख आकर्षण रहेगा।

IV

सांस्कृतिक कोमल शक्ति

मूल समाजवादी भाव

सीपीसी के प्रभावाधीन रहे चीन ने हमेशा समाजवादी मूल्यों के प्रोत्साहन पर ज़ोर दिया है।[7] माओत्से तुंग से लेकर जिनपिंग तक सभी नेताओं ने लोगों को एकजुट करने, राष्ट्रीय पहचान की भावना जगाने और पार्टी और देश के लिए प्रमुख क़दरों-कीमतों को आकार देने की कोशिश की है।

हू जिंताओ ने कई बार यह कहा था कि चीनी लोगों को राष्ट्रीय भावना बढ़ानी चाहिए, आध्यात्मिक समर्थन को मजबूत करना चाहिए और एक साझा सामान्य आदर्श स्थापित करना चाहिए। शी जिनपिंग ने जोर देकर कहा कि ये आदर्श सीपीसी सदस्य के 'कंकाल' के अंदर का 'कैल्शियम' हैं और वे इसके बिना नहीं रह सकते।[29] हालांकि, सबूत यह भी बताते हैं कि चीन अपने नागरिकों, खासकर युवाओं को प्रभावित करने वाले पश्चिमी मूल्यों से चिंतित है।

सीपीसी ने 23 दिसंबर 2013 को मुख्य समाजवादी मूल्यों को अपनाने से जुड़े दिशानिर्देश जारी किए। इन दिशानिर्देशों में कहा गया है कि "मुख्य समाजवादी' मूल्यों को पाठ्यक्रम और कक्षाओं में शामिल किया जाना चाहिए और छात्रों के लिए सोचने का एक दृष्टिकोण बनाया जाना चाहिए"।[30] 25 फरवरी 2014 को सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के एक अध्ययन समूह को संबोधित करते हुए शी जिनपिंग ने कहा, "मुख्य समाजवादी कदरें कीमतें सांस्कृतिक कोमल शक्ति की आत्मा हैं।"[31]

पार्टी ने यह बात सदा की कही है कि 2020 तक मध्यम श्रेणी के समृद्ध समाज का निर्माण क़दरों कीमतों की मुख्य के निर्माण के बिना नहीं किया जा सकता है। पार्टी का मानना है कि कोई देश तभी मजबूत हो सकता है जब उसकी 'आत्मा' बहुत मजबूत हो। नैतिक समस्याओं से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने का समाधान क़दरों कीमतों को विकसित करने और उनकी सुरक्षा में निहित है"[32]

सांस्कृतिक विकास के लिए शी जिनपिंग के दिशानिर्देश?

सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और सीपीसी केंद्रीय समिति के प्रचार विभाग के निदेशक लियू किबाओ ने इस बात को उजागर किया है कि शी जिनपिंग ने मार्गदर्शक सिद्धांत दिया है।[33] लियू ने ज़ोर देकर कहा कि शी जिनपिंग ने "रचनात्मक परिवर्तन और अभिनव विकास के बारे में

बात की है।"[8] कई अवसरों पर। लियू ने जोर देकर कहा कि यह चीन की महीन पारंपरिक संस्कृति का समर्थन करने का सही दृष्टिकोण है और साथ ही नई परिस्थितियों में "संरक्षण" और "परिवर्तन" के बीचोंबीच संबंधों को संतुलित करने की अनुभवजन्य मार्गदर्शिका भी है। "लोगों की सेवा और समाजवाद (दो सर्व)" का यह सिद्धांत और "सैंकड़ों फूल खिलने दें और विचारों के सैंकड़ों वैचारिक मतों को फलने फूलने दें (दो सौ)" का सिद्धांत मिलकर एक ऐसी अवधारणा पैदा करते हैं जिसमें प्रत्येक का अपना प्रभाव है और ये एक दूसरे के पूरक भी हैं।[34] लियू ने ऐसा मुद्दा उठाया है जिस पर विशेषज्ञों के अतिरिक्त शोध की आवश्यकता है।

IV

सद्भाव और सामाजिक स्थिरता

---

7 Core socialist values comprise a set of moral principles summarized by as prosperity, democracy, civility, harmony, freedom, equality, justice, the rule of law, patriotism, dedication, integrity and friendliness.

8 According to Liu, Xi stressed the need to delve into and expound on China‟s fine traditional culture in order to realize its “creative transformation and innovative development.” during a trip to Shandong in November 2013. Further, during the 13th group study session of the Political Bureau of the CPC Central Committee, In February 2014, he went further by emphasizing the need to extract the cream of Chinese thought and morality from China‟s fine traditional culture, focusing efforts on “creative transformation and innovative development.”

18वीं पार्टी कांग्रेस को दे अपनी रिपोर्ट में हू जिंताओ ने पार्टी के सद्भाव और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित करने संबंधी संकल्प का ज़िक्र किया। जून 2017 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सीपीसी की आगामी 19वीं राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए मज़बूत ध्वनि वातावरण बनाने हेतु सभी पार्टी समितियों को सुधार, विकास और स्थिरता के लिए आह्वान किया। इससे सामान्य तौर पर स्थिरता को दिए जाने वाली महत्व, और विशेष तौर पर चीन के आधिकारिक / पार्टी संवाद में, का पता चलता है।

चीनी नेतृत्व ने चीन में सामाजिक स्थिरता को बनाये रखने को समय-समय पर सुधारों और विकास की ज़रूरी गारंटी कहा है। देंग जियाओपिंग ने एक बार कहा था "चीन में स्थिरता के अत्यधिक आवश्यकता है। स्थिर वातावरण के बिना हम कुछ भी हासिल नहीं कर सकते हैं और यहां तक कि जो कुछ भी हमने पाया है, वह भी गंवा सकते हैं ".[35] इसके अलावा सामाजिक स्थिरता को राजनीतिक वैधता की अभिव्यक्ति माना जाता है, विशेष रूप से तियानमेन के बाद वाले चीन में। दूसरे शब्दों में, चीन में सामाजिक अस्थिरता को स्थापित राजनीतिक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था में लगातार तेज़ विकास, दोनों के लिए ही खतरा माना जाता है। इसलिए 'स्थिरता बनाये रखने' '(weihu wending 维稳定) के बारे में चीनी संवाद अकादमिक दायरों में गहन बहस का मुद्दा है।

सामूहिक विरोध और सामाजिक स्थिरता

चीन में "सामूहिक घटनाओं" (*Quntixingshijian*) को 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों से जुड़ी घटनाओं के तौर पर परिभाषित किया जाता है। कुछ सामूहिक घटनाओं में 10,000 से अधिक लोग शामिल रहे हैं।[36] सामूहिक घटनाओं की संख्या 1993 के 8706 से बढ़कर 2005 में 87000 हो गई।[37] सेंट्रल रूरल वर्क लीडिंग ग्रुप के कार्यालय के निदेशक चेन जिवेन ने कहा कि 2006 में विरोध प्रदर्शनों में गिरावट आई थी, 2005 से कोई 20 प्रतिशत की गिरावट। सरकारी अधिकारियों ने 2006 के बाद बड़े पैमाने पर विरोध से संबंधित आंकड़े नहीं दिए हैं।

2014 में चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार 2000 के बाद से हुए सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन आम तौर पर श्रम विवादों, भूमि अधिग्रहण, ज़बरन विध्वंस, प्रदूषण, यातायात दुर्घटनाओं और जातीय समूहों से जुड़ी घटनाओं के कारण हुए। यह रिपोर्ट 871 बड़े पैमाने पर हुई घटनाओं के शोध पर आधारित है, जिसमें 1 जनवरी, 2000 से 30 सितंबर, 2013 के बीच 22 लाख से अधिक लोग शामिल थे। केवल सूक्ष्म ब्लॉग या ऑनलाइन मंचों पर रिपोर्ट की गई घटनाओं को इससे बाहर रखा गया था। चीन के कुछ विशेषज्ञों ने चिंता जताई कि यह रिपोर्ट चीन की "सही स्थिति" नहीं

दर्शाती है क्योंकि यह पूरी तरह से मुख्यधारा की मीडिया कवरेज पर आधारित है।[38] चीन में बड़ी संख्या में हुई सामूहिक घटनाओं ने पार्टी के उच्च दायरों में असुरक्षा और तनाव की भावना पैदा की है।

VI

पारिस्थितिक विकास

सीपीसी अध्ययन में माना गया कि चीन ने अपने विकास की पर्यावरणीय कीमत चुकाई है, जो अब तेजी से स्पष्ट हो रही है। इसमें कहा गया कि :

पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय की वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक, चीन की प्रति इकाई जीडीपी ऊर्जा खपत विकसित देशों की खपत का 8 से 10 गुना है और इसका प्रदूषण इनसे 30 गुना है। दुख की बात है कि इसके उलट इसकी उत्पादकता विकसित देशों के मुकाबले उनकी उत्पादकता का 1/30 है। इसकी रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी), सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन और कार्बन उत्सर्जन, सभी दुनिया में नंबर 1 पर हैं। देश की जल प्रणाली का सत्तर प्रतिशत भाग प्रदूषित है। इनमें से 40% को गंभीर रूप से प्रदूषित वर्गीकृत किया गया है, शहरों के पास से बहने वाली नदियां आम तौर पर प्रदूषित हैं .... 30 करोड़ से अधिक किसान स्वच्छ पेयजल लेने में असमर्थ हैं। चीन के 1/3 शहरों में 40 करोड़ से अधिक शहरी लोगों को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा उपलब्ध नहीं है। दुनिया के 20 सर्वाधिक गंभीर तौर पर प्रदूषित शहरों में से 16 चीन में स्थित हैं।

एक आधिकारिक अध्ययन से प्राप्त उपरोक्त तथ्य साबित करते हैं कि स्थिति गंभीर है। सरकारी प्राधिकरणों द्वारा दिए प्रदान किए गए हालिया डेटा कुछ सुधार की ओर इशारा करते हैं। 2012 से 2016 तक जीडीपी की प्रति यूनिट के हिसाब से ऊर्जा और पानी का उपयोग क्रमशः 17.9 प्रतिशत और 25.3 प्रतिशत कम हुआ। 2012 से 2016 के अंत में इन-ग्रिड पवन ऊर्जा क्षमता 140.1 प्रतिशत बढ़ी और ग्रिड सौर ऊर्जा क्षमता 21.4 गुना बढ़ी। 2016 में नए जंगलों का कुल क्षेत्रफल 720 लाख हेक्टेयर रहा, जो 2012.[39] से 28.7 प्रतिशत अधिक था।

नवाचार के अलावा 13वे पंचवर्षीय दिशानिर्देश में हरित विकास, समन्वय और साझाकरण जैसे विचारों के समावेश का उद्देश्य चीन में सततशील और पर्यावरण-अनुकूल विकास प्राप्त करना है। हरित विकास पर ध्यान देने से चीन को मदद मिल सकती है, क्योंकि पूर्ववत आर्थिक परिपाटियों के कारण चीन में पर्यावरण को नुकसान हुआ है और प्रदूषण बढ़ा है। ऊर्जा और संसाधन बचाने के लिए चीन को कुल ऊर्जा की खपत को नियंत्रित करना होगा और संसाधन उपयोग की दक्षता को बढ़ाना होगा।

VII

देशव्यापी शांतिपूर्ण, स्थिर वातावरण

अब यह बात अच्छी तरह से साबित हो चुकी है कि दैंग जियाओपिंग के अंतर्राष्ट्रीय मामलों में लो प्रोफ़ाइल रखने हेतु दिए गए '24 चरित्र दिशानिर्देशों' को शी जिनपिंग ने दरकिनार कर दिया है। चीन का दीर्घकालिक लक्ष्य एशिया और दुनिया में प्रमुख शक्ति बनना है। चीन के सपने या चीनी राष्ट्र के महान कायाकल्प की अवधारणा को आगे बढ़ाने का श्रेय राष्ट्रपति शी जिनपिंग को दिया जाता है। 18वीं पार्टी कांग्रेस के बाद राष्ट्रपति शी ने इस बात को रेखांकित किया कि चीन इन दोनों महान लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगा।

चीनी विशेषज्ञों ने स्वीकार किया है कि "सीपीसी की 18वीं राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद से चीनी विदेश नीति की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक रही है राष्ट्रीय हित को दिया जाने वाला अधिक महत्व।"[40] प्रो वांग जीसी ने जोर देकर कहा है कि अपनी समग्र राष्ट्रीय भू-रणनीति बनाते समय चीन खुद को दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और उत्तर के मध्य में मान सकता है।[41] यह बात मिडल किंगडम सिंड्रोम में भी प्रतिध्वनित होती है जो अनसुलझे क्षेत्रीय / समुद्री विवादों के मामले में हुई चीनी कार्रवाइयों से बहुत स्पष्ट है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 'साझा नियति वाला समुदाय' बनाने की बात की है। हालाँकि चीन की 'साझा नियति' वाला दृष्टिकोण समस्या हो सकती है क्योंकि इसका मानना है कि एशिया के सभी देश वही चाहते हैं जो चीन चाहता है। चीन के अनुसार 'साझा नियति' के वैश्विक भूराजनीति और मौजूदा एशियाई राजनीतिक व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव हैं। 'एशिया, एशिया के लिए' की चीनी-नेतृत्व वाली अवधारणा को बढ़ावा देकर बीजिंग अपने प्रस्तावों और उन चीज़ों के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा कर रहा है जो वे अपने दम पर करना चाहते हैं।"[42]

सीपीसी का कहना है "दुनिया में वर्तमान में चीन के समक्ष अभूतपूर्व बाह्य चुनौतियां हैं। चीन के पड़ोसी देशों का चीनी प्रभाव के विस्तार के प्रति जटिल रवैया है।"[43] चीनी सैन्य रणनीति पर मई 2015 में जारी श्वेत पत्र में स्पष्ट रूप से चीन के समक्ष विकट चुनौतियों का ज़िक्र है। इसमें कहा गया है: "चीन के समक्ष राजनीतिक सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता बनाए रखने का दुर्जेय काम है। पूर्वी तुर्किस्तानी स्वतंत्रता 'और' तिब्बती स्वतंत्रता' की अलगाववादी ताकतों ने, विशेष रूप से पूर्वी तुर्किस्तानी स्वतंत्रता' बलों की हिंसक आतंकी गतिविधियों के बढ़ने के कारण, गंभीर क्षति पहुंचाई है। इसके अलावा, चीन-विरोधी ताकतों ने इस देश में 'रंग क्रांति' को उकसाने की कोशिशें कभी भी नहीं छोड़ीं।

साक्ष्य यह भी बताते हैं कि पड़ोस की चुनौतियों का सामना करना चीन में गंभीर शोध का मुद्दा है। वू यिन (CASS के पूर्व उपाध्यक्ष) ने सितंबर 2017 में हुए एक उच्च स्तरीय सम्मेलन के दौरान

"भारत-चीन संबंधों सहित आसियान, लंकांग-मेकांग सहयोग, पूर्वोत्तर एशिया और दक्षिण एशिया जैसे आसपास के क्षेत्रों से चीनी सहयोग के गहन अनुवर्ती अध्ययन" का आह्वान किया।[44]

उपरोक्त विश्लेषण से यह बात स्पष्ट है कि चीन पिछले पांच वर्षों में कुछ पड़ोसियों के साथ अपने संबंधों में संतुलन नहीं बना पाया है और देश के समक्ष अभूतपूर्व बाह्य चुनौतियां मौजूद हैं। चीन की कार्रवाई से पड़ोसी, विशेष रूप से चीन से भूमि और समुद्री सीमायें साझा करने वाले देशों, को चिंता हुई है।

चीन का पुन: एकीकरण

हू जिंताओ ने 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी अपनी रिपोर्ट में कहा था: “हमें एक-चीन सिद्धांत का पालन जारी रखना चाहिए... हम ताइवान की स्वतंत्रता के किसी भी अलगाववादी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करते हैं। चीनी लोग किसी भी तरह से ताइवान को मातृभूमि से अलग करने की किसी भी व्यक्ति या किसी भी बल की किसी कोशिश को सफल नहीं होने देंगे।

शी जिनपिंग ताइवान के मा यिंग-जेउ से 7 नवंबर 2015 को सिंगापुर में मिले। राष्ट्रपति शी और राष्ट्रपति मा के बीच हुई बैठक 1949 में पीआरसी की स्थापना के बाद से ऐसे दो नेताओं के बीच हुई ऐसी पहली बैठक थी। कई विशेषज्ञों ने इस बैठक को बहुत महत्वपूर्ण क़रार दिया। लेकिन मई 2016 में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के त्सई इंग-वेन के ताइवानी राष्ट्रपति बनने से खाड़ी- पार संवाद की संभावनाएं मुश्किल में पड़ गईं ।

जुलाई 2017 में एक प्रमुख पीआरसी ताइवान विशेषज्ञ ने तर्क दिया कि बीजिंग को 30 साल लंबी पुन:एकीकरण की योजना का अध्ययन शुरू करना चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि चीनी राष्ट्र देशों के "महान कायाकल्प" के लक्ष्य को पूरा करने के पुन:एकीकरण "अनिवार्य" है.[45]

कुछ अवसरों पर शी जिनपिंग ने 1992 की सर्वसम्मति के पालन के महत्व को रेखांकित किया है और खाड़ी -पार संबंधों के शांतिपूर्ण विकास को बनाए रखने का आह्वान किया है।[46] कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि पीएलए की 90वीं वर्षगांठ पर की गई शी जिनपिंग की निम्न टिप्पणी का ताइवान के संदर्भ में स्पष्ट अर्थ निकल रहा था। शी ने कहा था:

हम किसी भी व्यक्ति, किसी भी संगठन, किसी भी राजनीतिक दल को किसी भी समय, किसी भी रूप में, चीन के किसी भी क्षेत्र को चीन से अलग करने की अनुमति नहीं देंगे। किसी को भी हमारी संप्रभुता, सुरक्षा और विकासगत हितों को हुए नुकसान का कड़वा फल हमारे द्वारा निगले जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।[47]

VIII

सैन्य सुधार

पार्टी दस्तावेजों में कहा गया है कि चीन ने रक्षा और सैन्य सुधारों में उल्लेखनीय प्रगति की है। 18वीं सीपीसी केंद्रीय समिति की तीसरी पूर्ण बैठक के बाद सीएमसी ने इस काम के लिए अग्रणी समूह गठित किया और बाद में एक सुधार योजना का मसौदा तैयार किया। चीन के सैन्य क्षेत्र की कमांड और सैन्य विभागों का पुनर्गठन किया गया है।[48] इन सुधारों को चीनी नेतृत्व ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की संरचना और संगठन में ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है।[49]

राजकीय परिषद के सूचना कार्यालय ने मई 2015 में चीन की सैन्य रणनीति पर श्वेत पत्र प्रकाशित किया। इस श्वेत पत्र में इस बात पर जोर दिया गया था कि "मजबूत राष्ट्रीय रक्षा और शक्तिशाली सशस्त्र बलों का निर्माण चीन के आधुनिकीकरण अभियान का एक रणनीतिक काम है और चीन के शांतिपूर्ण विकास हेतु सुरक्षा की गारंटी है" .... "हमें नये युग के लिए सक्रिय रक्षा की सैन्य रणनीति लागू करनी चाहिए और समय की ज़रूरत के अनुसार सैन्य रणनीतिक मार्गदर्शन को बढ़ाना चाहिए।"

यह बात भी उल्लेखनीय है कि चीन में होने वाली घरेलू बहस में "दो बड़े गैप" का ज़िक्र है। चीन के सैन्य आधुनिकीकरण के स्तर में (क) राष्ट्रीय सुरक्षा और (ख) विश्व की उन्नत सेनाओं के लिहाज़ से दो बड़े गैप हैं. "दो अक्षमताएं" हैं: (क) पीएलए की आधुनिक युद्ध लड़ने की क्षमता अपर्याप्त है (ख) आधुनिक युद्ध लड़ने के लिए सभी स्तरों पर कैडर की क्षमता अपर्याप्त है।[50]

यहां उल्लेखनीय है कि सीपीसी केंद्रीय समिति ने वर्तमान नेतृत्व में रक्षा और सैन्य सुधारों को बहुत महत्व दिया है। निश्चित रूप से शी जिनपिंग चीन में मजबूत सेना के निर्माण की प्रक्रिया में हुई प्रगति का ज़िक्र करेंगे।

निष्कर्ष

सातवीं पूर्ण बैठक (12-14 अक्टूबर 2017) में निष्कर्ष निकाला गया है कि चीन में पिछले पांच वर्षों में गहन और मूलभूत परिवर्तन हुए हैं। इसने इस अवधि को 'असाधारण' करार दिया है। पूर्ण बैठक में ने चीन के समक्ष घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों को उजागर नहीं किया है। सततशील और पर्यावरण-अनुकूल विकास को प्राप्त करने की राह में बहुत स्पष्ट चुनौतियां हैं। राजनीतिक, सामाजिक और पारिस्थितिक विकास को बढ़ावा देने वाले कदमों की राह में भी कठिनाइयां हैं। चीन के समक्ष मौजूद बाह्य चुनौतियाँ भी 'अभूतपूर्व' हैं। यह उल्लेखनीय है कि पिछले पांच सालों में 18वीं पार्टी कांग्रेस को दी

रिपोर्ट में वर्णित नीतियों / कार्यक्रमों को लागू किया गया है। कुछ कार्यक्रमों, जैसे भ्रष्टाचार -रोधी कार्यक्रमों पर दूसरों की तुलना में अधिक ध्यान केंद्रित रहा।

कुछ विशेषज्ञों ने शी जिनपिंग की मार्गदर्शक विचारधारा पर चर्चा की है" (指导思想)। अतीत में पार्टी दस्तावेजों में मार्क्सवाद-लेनिनवाद, माओ जेडोंग विचारधारा, डेंग जिओपिंग सिद्धांत, थ्री रिप्रेजेंट और विकास पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण का ज़िक्र किया गया है। पार्टी ने शासन संबंधी नई अवधारणाओं पर भी बात की है, जैसे शी जिनपिंग की 'चार विस्तृत बातें'। लेकिन पार्टी के कई सदस्यों ने सांस्कृतिक दिशानिर्देशों को समर्थन नहीं दिया है। इसलिए, इस बात की संभावना है कि शासन और कूटनीति के बारे में शी जिनपिंग के विचारों को पार्टी के संविधान में जगह मिल सकती है।

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2017

*****

** डॉ संजीव कुमार वैश्विक मामलों की भारतीय परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली में शोधार्थी हैं।*
अस्वीकरण: यहां व्यक्त विचार शोधकर्ता के हैं, परिषद के नहीं हैं।

Endnotes:

---

1 Xinhua News Agency, The Fifth Plenary Session of the 18th Communist Party of China (CPC) Central Committee Communiqué (Chinese version), issued on 29 October 2015.

2 Prof. Fu Baozong, "The Structural Reform of Supply-side and Industry Development in China" Paper presented at Second India-China Think Tanks Forum in Beijing on 24 June 2017

3 "SCIO briefing on China's economic progress", http://www.china.org.cn/china/2017-10/11/content_41713689.htm, and FACTBOX: China's economic achievements since 18th CPC national congress http://www.china.org.cn/china/Off_the_Wire/2017-10/10/content_41710699.htm

4 Zhao Litao "China's Development: social Investment and Challenges (Singapore, World Scientific, 2017) p 138.

5 Ibid

6 CASS "Liquidity of resources key to rural development", available at http://casseng.cssn.cn/news_events/news_events_news_briefing/201708/t20170821_3616810.html

7 "SCIO briefing on reform of SOEs", 28 September 2017, available at http://www.china.org.cn/china/2017-09/28/content_41662493_2.htm

8 "SCIO briefing on China's economic progress", http://www.china.org.cn/china/2017-10/11/content_41713689.htm, and "FACTBOX: China's economic achievements since 18th CPC national congress" http://www.china.org.cn/china/Off_the_Wire/2017-10/10/content_41710699.htm

9 "Service sector helps drive growth", available at http://www.chinadaily.com.cn/business/2017-06/16/content_29767150.htm

10 "SCIO briefing on China's economic progress", available at http://www.china.org.cn/china/2017-10/11/content_41713689.htm, and "FACTBOX: China's economic achievements since 18th CPC national congress", available at http://www.china.org.cn/china/Off_the_Wire/2017-10/10/content_41710699.htm

11 *The 13th Five-Year Plan for Economic And Social Development of the People's Republic Of China (2016–2020,* available at http://en.ndrc.gov.cn/newsrelease/201612/P020161207645765233498.pdf

[12] "SCIO briefing on China's economic progress", available at http://www.china.org.cn/china/2017-10/11/content_41713689.htm

[13] Huang Qunhui "China's Development of Manufacturing Industry and its Made in China 2025 Strategy" Paper presented at Second India-China Think Tanks Forum in Beijing on 24 June 2017

[14] Based on Author's interview with farmers of Shaanxi province in December 2014.

[15] Based on Author's interaction with Prof. Feng Shaizhang, Dean, Institute for Economic and Social Research (IESR), Jinan University on 26 June 2017

[16] "CPC has nearly 89.5m members". available at http://www.chinadaily.com.cn/china/2017-06/30/content_29952238.htm

[17] "Seventh Plenary Session sets course for congress" available at http://www.chinadaily.com.cn/china/2017-10/16/content_33303402.htm

[18] "Chinese dream is Xi's vision" available at http://www.chinadaily.com.cn/china/2013npc/2013-03/18/content_16315025.htm

[19] 'Four Comprehensives' wins public acclaim, *People's Daily* available in http://en.people.cn/n/2015/0227/c90785-8854547.html

[20] Zhong Zhe 'Four Comprehensives' praised for crystallizing 'Chinese Dream' 16 March 2017 *Chinese Social Sciences Today*, available at http://www.cssn.cn/dzyx/dzyx_jlyhz/201412/t20141224_1455274.shtml

[21] Xie Chuntao, ed. *Challenges for China: How the CPC Makes progress* (Beijing, New World Press, 2014)

[22] Based on Author's visit to villages in Baishui county, Shannxi province December 2014

[23] Distinguished lecture by Amb. Nalin Surie on "China: An Insight and the State of Bilateral Relations at IIT, Guwahati, 17 April 2017 available at http://www.mea.gov.in/distinguished-lectures-detail.htm?659

[24] "China Focus: China's anti-graft drive wins people's trust", available at http://news.xinhuanet.com/english/2017-10/07/c_136663540.htm

[25] Ibid

[26] "Report on Combating Corruption and Upholding Integrity in China No. 3" Chinese social Sciences Today, available at http://casseng.cssn.cn/research/research_publications/research_reports/201403/t20140303_1008711.html

[27] See for example, "Report on Combating Corruption and Upholding Integrity in China No. 3" available at http://www.womenofchina.cn/html/node/168562-1.htm

[28] http://www.chinabookshop.net/report-combating-corruption-upholding-integrity-china-p-15997.html?osCsid=7809p6h61lv3rqp0n31ehrqmq0

[29] Xie Chuntao, ed. *Challenges for China: How the CPC Makes progress* (Beijing, New World Press, 2015) p 221

[30] "Socialist Core Values", *China Daily* available at http://www.chinadaily.com.cn/china/19thcpcnationalcongress/2017-10/12/content_33160115.htm

[31] Ibid

[32] Xie Chuntao, ed. *Challenges for China: How the CPC Makes Progress* (Beijing, New World Press, 2015) p 221

[33] Liu Qibao "Reaffirming Cultural Confidence and Imparting the Chinese Cultural Legacy" *Qiushi* available at http://english.qstheory.cn/2017-09/01/c_1121522580.htm

[34] Liu Qibao "Reaffirming Cultural Confidence and Imparting the Chinese Cultural Legacy" *Qiushi* available at http://english.qstheory.cn/2017-09/01/c_1121522580.htm

[35] *Selected Works of Deng Xiaoping, Vol 3* (Beijing: Foreign Language Press, 1994) p 277

[36] "Report identifies sources of mass protests", available at http://www.chinadaily.com.cn/china/2014-04/09/content_17416989.htm

[37] Ibid

[38] "Report identifies sources of mass protests", available at http://www.chinadaily.com.cn/china/2014-04/09/content_17416989.htm

[39] "SCIO briefing on China's economic progress", http://www.china.org.cn/china/2017-10/11/content_41713689.htm, and "FACTBOX: China's economic achievements since 18th CPC national congress" http://www.china.org.cn/china/Off_the_Wire/2017-10/10/content_41710699.htm

[40] Zhang Qingmin, "China's Foreign Policy since 18th National Congress of the CPC" inn *China International Strategy Review 2013 (*Beijing, Foreign Language Press, 2014) pp 101-134.

[41] Wang Jisi, "North South East and West – China in the Middle: A Geostrategic Chessboard", *China International Strategy Review 2013 (*Beijing, Foreign Language Press, 2014) pp. 27-52.

[42] "The 29th Asia-Pacific Roundtable: Conference Report", available at http://www.isis.org.my/files/IF_2015/IF-se/29th_APR_2015_Special_Edition.pdf

[43] Xie Chuntao, ed. *Challenges for China: How the CPC Makes progress* (Beijing, New World Press, 2014) p 221

[44] "Major-country diplomacy shows China's vision for world" available at http://casseng.cssn.cn/news_events/news_events_news_briefing/201709/t20170928_3656543.html (Accessed on 7 October 2017)

[45] Lai Chin-hung, "30 years? Zhou Zhihuai: Need a timetable for unification of the two sides of the Strait" (30年？周志懷：兩岸統一 應有時間表), UDN, July 26, 2017, as quoted in "Cross-Strait Relations: Skepticism Abounds" available at file:///C:/Users/GEM/Desktop/revised%20paper%2018%20PC/clm54ar%20taiwan.p

[46] Taiwan Affairs Office of the State Council ov the PRC "Xi stresses adherence to 1992 Consensus" available at http://www.gwytb.gov.cn/en/Headline/201611/t20161102_11612027.htm

[47] as quoted in "Cross-Strait Relations: Skepticism Abounds" available at file:///C:/Users/GEM/Desktop/revised%20paper%2018%20PC/clm54ar%20taiwan.p

48 The general command of the PLA, the PLA Rocket Force, and the PLA Strategic Support Force were established on the basis of reform plan. The previous seven military area commands were regrouped into five theater commands, and the four military departments namely- staff, politics, logistics and armaments -- were reorganized into 15 agencies.

[49] "Xi calls for further armed forces reform" available at http://english.qstheory.cn/2016- 07/29/c_1119302078.htm

[50] Lt. Col. (Retd.) Dennis J. Blasko's Talk on "Chinese Military Reform, 2013-2020" on 23 August 2017, IPCS, New Delhi